Vaishno Mata Aarti को हिंदू धर्म में विशेष महत्व होता है। मां वैष्णो देवी को माँ दुर्गा का एक स्वरूप माना जाता है, और उनकी पूजा-अर्चना से भक्तों को सफलता, सुख, और आनंद की प्राप्ति होती है। वैष्णो माता की आरती उनके भक्तों द्वारा विशेष भक्ति भाव से गाई जाती है और उनके सम्मान में किया जाने वाला एक प्रमुख अभिनंदन है।

वैष्णो माता की आरती के द्वारा हम उन्हें स्तुति करते हैं और उनके दिव्य गुणों का गुणगान करते हैं। आरती के द्वारा हम उनके दिव्य दर्शन करते हैं और उनसे कृपा और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

Vaishno Mata Aarti गाने से भक्तों को मानसिक और आध्यात्मिक शांति मिलती है और उन्हें सभी दुखों से मुक्ति मिलती है। इसके द्वारा हम अपने अंतरंग स्वरूप को पहचानते हैं और अपने आत्मविकास के लिए अनुराग भाव से भर जाते हैं।

॥ वैष्णो माता आरती ॥ Vaishno Mata Aarti ॥

वैष्णो माता की आरती को गाने से हमारे जीवन में ध्यान, शांति, और समृद्धि का अनुभव होता है और हम वैष्णो माता के दिव्य आशीर्वाद से सभी संकटों से परे जीवन जी सकते हैं। वैष्णो माता की आरती के पवित्र वातावरण में हम उनके दिव्य शक्ति और आशीर्वाद का अनुभव करते हैं और उनके मार्गदर्शन में अपने जीवन को सफल बनाने के लिए प्रयास करते हैं।

जय वैष्णवी माता,
मैया जय वैष्णवी माता ।
हाथ जोड़ तेरे आगे,
आरती मैं गाता ॥
॥ जय वैष्णवी माता..॥

शीश पे छत्र विराजे,
मूरतिया प्यारी ।
गंगा बहती चरनन,
ज्योति जगे न्यारी ॥
॥ जय वैष्णवी माता..॥

ब्रह्मा वेद पढ़े नित द्वारे,
शंकर ध्यान धरे ।
सेवक चंवर डुलावत,
नारद नृत्य करे ॥
॥ जय वैष्णवी माता..॥

सुन्दर गुफा तुम्हारी,
मन को अति भावे ।
बार-बार देखन को,

ऐ माँ मन चावे ॥
॥ जय वैष्णवी माता..॥

भवन पे झण्डे झूलें,
घंटा ध्वनि बाजे ।
ऊँचा पर्वत तेरा,
माता प्रिय लागे ॥
॥ जय वैष्णवी माता..॥

पान सुपारी ध्वजा नारियल,
भेंट पुष्प मेवा ।
दास खड़े चरणों में,
दर्शन दो देवा ॥
॥ जय वैष्णवी माता..॥

जो जन निश्चय करके,
द्वार तेरे आवे ।
उसकी इच्छा पूरण,
माता हो जावे ॥
॥ जय वैष्णवी माता..॥

इतनी स्तुति निश-दिन,
जो नर भी गावे ।
कहते सेवक ध्यानू,
सुख सम्पत्ति पावे ॥

जय वैष्णवी माता,
मैया जय वैष्णवी माता ।
हाथ जोड़ तेरे आगे,

Shivami Astroworld